

साफ पाणी औजि तेसरौ फाइदौ



साफ पाणी औज़ि तेसरौ फाइदौ

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

प्रकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

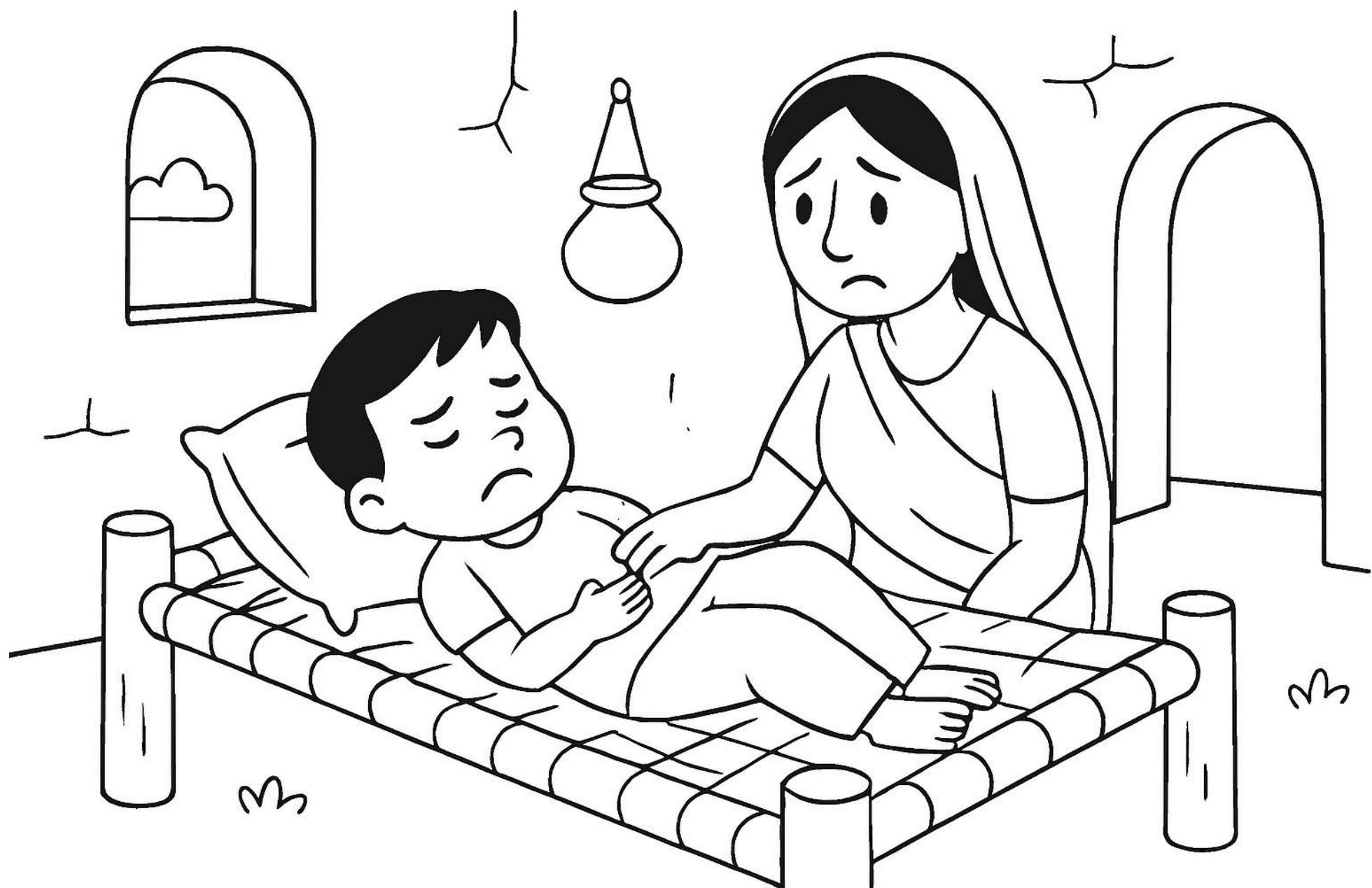
दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बढ़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकि जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद ॥



एक गाउँ दि काका आपडै
पौरिबार रे साथै राये थो, सेउ
रोज़ डोखराउँ दि काम कौर
थो। औज़ि कुवै कौइ पाणी
पिये थो।



एक दूस काका रौ बेटा गोलू
बीमार उवौ । तेस तेज़ बुखार
औज़ि पेट रौ थौ दुखदै लागी ।



काकाइ सेउ तंत्र मंत्र कौरण
वालै काइ गिणौ। पर तेत्के
कुछु वी फाइदौ ना उवौ।
गोलू री तवियेत जादा खौराब
उन्दि लागी।



दुजै दूसै काकाइ गोलू
सौरकारी औस्पताल खि
गिणौ। डॉक्टरेड बोलौ कि ऐ
बीमारी गान्दौ पाणी पिणौ कौइ
रौइ औइ।



डॉक्टरेझ सेउ सौमज्ञाओं कि
पाणी उबाल्यौ या छाणियौ
पिणै चाइं । गान्दौ पाणी पिणै
कौइ बीमारी री बौज़ बौण ।



काकाइ सुँचौ कि आमै सारै
जौणे तै एजौइ पाणी पिझन,
एसकौइ आमु सारिउँ खी
खौतरौ, एज़ि बौजै कौइ तिणी
गाउँ रै सरपंच कौइ बात की ।



सरपंचेड जल जीवन मिशन री
एक टीम औटाई । टीमेड गाउँ
दि साफ पाणी खी फिल्टर
लाओ ॥



ऐवै कोइ सारे लोग उबाझौ-द
या फिल्टर रौ पाणी पियैण थे
गोलू वी ऐवै ठीक उ-दे लागी
गोआ थौ ।



काकाइ आपडै पोडोसिउं आरी
बी बोलौ कि तंत्र मंत्र कौरणे
कौइ कुछ ना औ-दा, डौकटर
कौइ इलाज कौराइयौ, औज़ि
आपर्खी साफ पाणी जौरुरी ।

स्वच्छ पानी, स्वस्थ जीवन



ਗਾਉੰ ਦਿ ਲੋਗੁ ਸਾਫ ਪਾਣੀ ਆਪੇ
ਰੀ ਖੁਸ਼ੀ ਦਿ ਪੇਟਾਰੈਉੰ ਕੌਇ ਏਕ
ਨਾਟਕ ਕੌਰਾਓ ਜੇਸਦਿ ਤਿਉੰ
ਸਾਫ ਪਾਣੀ ਔਜ਼ਿ ਸਵਸਥ
ਜੀਵਨ ਰੈ ਬਾਰੇ ਦਿ ਬੋਲੈ ।



ऐवै गाउँ रै लोग आफुइ आपडै
पाणी रै ओख्वेर साफ थौयैण थै ।
ओज़ि बोलैण थै, ओख्वेर साफ,
पानी साफ, शौरीर साफ ।

स्वस्य रहने के लिए
स्वच्छ पानी!



ईं कांडणी कौइ आ-कै एशी
शिक मिलै, कि साफ पाणी
पियो औज़ि विमारिउं कौइ
बौचौ। औज़ि डौकटर री
बुशै मानौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,,

